केस स्टडी: बकरी पालन के माध्यम से किसानों की आर्थिक सशक्तिकरण

संस्था का परिचय

संस्था का नाम: अर्पणमगरा फार्मर एग्रो प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड (FPO)
स्थान: रावत का खेड़ा, तहसील – भीम, जिला – राजसमन्द, राजस्थान
NABARD स्वीकृति दिनांक: 04 अगस्त 2022
प्रमुख गतिविधि: सिरोही बकरी पालन एवं संबंधित व्यापारिक गतिविधियां

परियोजना की पृष्ठभूमि

NABARD द्वारा FPO को बकरी पालन पर कार्य करने की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद, संस्था ने सिरोही नस्ल की बकरी पालन को बढ़ावा देने हेतु व्यापक कार्ययोजना तैयार की। चिकित्सा अधिकारियों के सहयोग से किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया, जिससे बकरी पालन में आने वाली समस्याओं का समाधान संभव हो सका।

व्यापारिक प्रदर्शन विवरण

सत्र 2024-2025 (वित्तीय उपलब्धि)
- *कुल व्यापारिक गतिविधि:* ₹28,46,379/-
- *बकरी पालन से आय:* ₹10,00,000/-

सत्र 2025 (अप्रैल-अगस्त)
- *कुल व्यापारिक गतिविधि:* ₹29,04,326/-
- *बकरी पालन से आय:* ₹4,31,200/-

संचयी उपलब्धि

- *कुल संचयी व्यापार:* ₹57,50,705/-
- *लाभार्थी सदस्य संख्या:* 515

प्रभाव एवं परिणाम

सदस्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार

पूर्व स्थिति:
- प्रत्येक सदस्य के पास केवल 1-2 बकरी
- सीमित आर्थिक लाभ
- **पारंपरिक पालन पद्धति**

वर्तमान स्थिति:
- प्रत्येक सदस्य के पास 15-20 बकरी
- नियमित दूध उत्पादन
- उन्नत खाद उत्पादन (₹4,000-5,000 प्रति ट्रॉली)
- वार्षिक आय: ₹80,000 तक

मुख्य सफलता के कारक

1. *तकनीकी सहायता:* चिकित्सा अधिकारियों द्वारा नियमित परामर्श
2. *बाजार संपर्क:* FPO द्वारा खरीद-बिक्री में सहायता
3. *नस्ल सुधार:* सिरोही नस्ल का चयन एवं प्रोत्साहन
4. *सामूहिक दृष्टिकोण:* 515 सदस्यों का सामूहिक सशक्तिकरण

सामुदायिक प्रभाव

प्रत्यक्ष लाभ
- *आर्थिक सुरक्षा:* स्थिर आय का साधन
- *पोषण सुरक्षा:* घरेलू दूध उत्पादन
- *कृषि उत्पादकता:* गुणवत्तापूर्ण खाद की **उपलब्धता**

अप्रत्यक्ष लाभ
- ग्रामीण रोजगार में वृद्धि
- महिला सशक्तिकरण
- कृषि आय में विविधीकरण

सफलता की कहानी: मंजू देवी का अनुभव

मंजू देवी (बड़ी का देह निवासी) के अनुसार, "पहले हमारे पास केवल 1-2 बकरी थी और पूरे दिन की मेहनत के बावजूद भी कोई विशेष लाभ नहीं होता था। FPO के माध्यम से मिली तकनीकी सहायता और बाजार संपर्क से आज हमारे पास 20-24 बकरी हैं। दूध, खाद और बकरी बिक्री से वार्षिक ₹95,000 तक की आय हो रही है।"

भविष्य की योजना

1. *विस्तार:* अधिक किसानों को जोड़ना
2. *मूल्य संवर्धन:* दूध प्रसंस्करण इकाई स्थापना
3. *तकनीकी उन्नयन:* आधुनिक पशुपालन तकनीकों का प्रयोग
4. *बाजार विकास:* नए बाजारों की खोज

निष्कर्ष

अर्पणमगरा फार्मर एग्रो प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड का बकरी पालन प्रोजेक्ट एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे NABARD की सहायता से FPO मॉडल के माध्यम से ग्रामीण किसानों की आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार लाया जा सकता है। 515 सदस्यों के जीवन में आया यह सकारात्मक परिवर्तन न केवल व्यक्तिगत आर्थिक विकास का प्रतीक है, बल्कि सामुदायिक विकास का एक सशक्त माध्यम भी है।

तैयारकर्ता: अर्पणमगरा फार्मर एग्रो प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

दिनांक: सितंबर 2025
संपर्क: रावत का खेड़ा, तहसील – भीम, जिला – राजसमन्द, राजस्थान